पृष्ठ संख्या–378-383

अभ्यास प्रश्न-पत्र–1

(कक्षा-IX)

खंड 'क'– अपठित अंश

उत्तर–

1.	1. (ग)	2. (ग)	3. (ग)
	4. (क)	5. (क)	
2.	1. (क)	2. (ख)	3. (ग)
	4. (क)		
	5. (*i*), (*iii*) और (*iv*) सही हैं।		

अथवा

1. (ख)	2. (ग)	3. (ग)
4. (ख) और (ग) दोनों	5. (ग)	

खंड 'ख'– व्यावहारिक व्याकरण

3. (क)	1. (ग)	2. (ख)	3. (ग)
	4. (ग)	5. (क)	
(ख)	1. (ख)	2. (ग)	3. (ग)
	4. (ग)	5. (ख)	
4.	1. (ख)	2. (ख)	3. (क)
	4. (ग)	5. (ख)	
5.	1. (क)	2. (ख)	3. (ख)
	4. (ग)	5. (ख)	

खंड 'घ'– लेखन

6. (क) विकास में बाधक जनसंख्या वृद्धि

प्रचुर मात्रा में प्राकृतिक संसाधन होते हुए भी हमारा देश विकासशील देशों की श्रेणी में आता है। इसका सबसे बड़ा कारण है– जनसंख्या वृद्धि। जनसंख्या वृद्धि के अनेक कारण हैं। सबसे प्रमुख कारण

है– लोगों का अशिक्षित होना। अशिक्षा के कारण लोग अपने बच्चों का विवाह छोटी उम्र में कर देते हैं और फिर संतान को ईश्वर का वरदान मानकर जनसंख्या वृद्धि में सहयोग करते हैं। इसका दुष्परिणाम यह होता है कि देश लोगों की संख्या के अनुरूप खाद्यान्न और उद्योग–धंधे उपलब्ध नहीं करा पाता और आर्थिक प्रगति बाधित हो जाती है। जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिए सरकार ने राष्ट्रीय स्तर पर परिवार कल्याण कार्यक्रम चलाया है तथा लड़के और लड़कियों के विवाह की आयु भी क्रमशः 21 और 18 वर्ष निश्चित की हुई है। सरकार अब लड़कियों की विवाह की वर्तमान आयु 21 वर्ष तक बढ़ाने के विकल्प पर भी विचार कर रही है। किंतु सरकार के प्रयासों के साथ–साथ बढ़ती जनसंख्या के इस भयावह रूप को रोकने के लिए जन–जागरण की अधिक आवश्यकता है।

(ख) महानगरीय जीवन की समस्याएँ

आज हमारे देश के महानगर बढ़ती जनसंख्या के बोझ से परेशान हैं। बढ़ती जनसंख्या से इनका पारंपरिक स्वरूप छिन्न–भिन्न होता जा रहा है। महानगरों की जीवन–शैली अपनी लंबी–चौड़ी सड़कों, मेट्रो, फ्लाई–ओवरों, गगनचुंबी इमारतों, बड़े–बड़े मॉल, उद्यानों, सिनेमा हॉलों और तड़क–भड़क वाले बाज़ारों और दुकानों के लिए प्रसिद्ध है। इस महानगरीय चकाचौंध से प्रभावित होकर प्रतिदिन हज़ारों लोग महानगरों की ओर कूच कर जाते हैं। इससे महानगरों पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है और कई प्रकार की समस्याएँ जन्म लेती हैं। इनमें परिवहन की समस्या प्रमुख है। लोगों से ठसाठस भरी बसें, सड़कों पर अवरुद्ध ट्रैफ़िक, ट्रेनों में आरक्षण न मिलना आदि इसके ज्वलंत प्रमाण हैं। परिवहन के बाद महानगरों में आवास की समस्या सबसे अधिक भयावह है। किराये के मकानों की संख्या सीमित है। इसकी तुलना में किराये पर मकान लेने वालों की संख्या अधिक होने के कारण मकान मालिक मनमाना किराया वसूलते हैं। इसी तरह से रोज़गार की तुलना में बेरोज़गारों की फौज बड़ी होने के कारण सबको रोज़गार न मिल पाना भी एक बड़ी समस्या है। विद्यार्थियों की तुलना में विद्यालयों की संख्या कम होने से हरेक बच्चे को उसके नज़दीकी स्कूल में दाखिला नहीं मिल पाता है। इसी प्रकार की ऐसी कई अन्य समस्याएँ भी हैं, जिनसे महानगरीय जीवन नरक तुल्य बन चुका है। इन समस्याओं के समाधान हेतु सरकार को इन सभी दिशाओं में आवश्यक कदम उठाने चाहिए। देश के प्रत्येक क्षेत्र में रोज़गार के अवसर उपलब्ध कराने की कोशिश करनी चाहिए। जब तक देश का संतुलित विकास नहीं होगा, तब तक इन समस्याओं से निजात पाना

संभव नहीं है। इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति का साथ-साथ नागरिकों का सहयोग आवश्यक है।

(ग) समाज में फैलता भ्रष्टाचार

भ्रष्टाचार शब्द की रचना दो शब्दों के मेल से हुई है– 'भ्रष्ट' तथा 'आचार'। 'भ्रष्ट' के अर्थ से सभी परिचित हैं और 'आचार' शब्द का अर्थ है– आचरण या व्यवहार। इस तरह 'भ्रष्टाचार' वह आचरण है, जो भ्रष्ट है; जो अच्छे आचरण या सदाचार का विरोधी है। कहने का तात्पर्य इतना ही है कि समाज या लोक-सम्मत आचरण का अनुसरण करना ही सदाचार है तथा लोक-सम्मत आचरण से च्युत होना ही भ्रष्टाचार है। इस भ्रष्टाचार के प्रमुख कारण हैं– अभाव, असंतोष, स्वार्थ तथा असमानता। जब किसी को अभाव के कारण कष्ट होता है, तो वह भ्रष्ट आचरण करने के लिए विवश होता है। यानी अभाव की वजह से लोग ऐसा करते हैं। किंतु इसे तर्कसंगत नहीं माना जा सकता। अतः असंतोष, स्वार्थ तथा असमानता को ही भ्रष्टाचार का मूल माना जाता है। इसके अतिरिक्त पद-प्रतिष्ठा के कारण भी व्यक्ति अपने आपको भ्रष्टाचारी बना लेता है। हीन भावना के शिकार लोग भी भ्रष्टाचारी बन जाते हैं। साथ-साथ भाई-भतीजावाद भी भ्रष्टाचार का एक अहम कारण है। भ्रष्टाचार से मुक्त होने के लिए मनुष्य को स्वार्थ-प्रवृत्ति से ऊपर उठना पड़ेगा। उसे आत्म-मंथन करना होगा, अपने अमर्यादित आचरण पर सोच-विचार करना होगा। साथ-साथ भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों का सामाजिक बहिष्कार करना होगा। हालाँकि यह यक्ष प्रश्न है कि इसकी शुरुआत कहाँ से की जाए। अतः शुरुआत स्वयं से करनी होगी। सरकार को भी भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों को दंडित करने हेतु कड़े कानून बनाने पड़ेंगे। स्वस्थ समाज हेतु भ्रष्टाचार का उन्मूलन अति आवश्यक है। अतः हमें अपने राष्ट्र को भ्रष्टाचार से मुक्त करने का बीड़ा उठाना पड़ेगा।

7. प्राणायाम एवं योग के लाभ बताते हुए छोटे भाई को पत्र–

अ०ब०स० छात्रावास

नई दिल्ली

दिनांक : 15 जनवरी, 20XX

प्रिय अनुज

शुभाशीष!

मैं यहाँ कुशलपूर्वक हूँ और आशा करता हूँ कि तुम भी ठीक होगे तथा

पढ़ाई–लिखाई नियमित रूप से कर रहे होगे। पढ़ाई–लिखाई के प्रति तुम्हारी लगन देखकर मुझे हमेशा तुम पर गर्व होता है, पर पिता जी ने बताया था कि स्वास्थ्य के प्रति तुम काफ़ी लापरवाह हो गए हो।

मैं तुम्हें यह बताना चाहता हूँ कि जब स्वास्थ्य अच्छा न हो, तो व्यक्ति मन लगाकर ठीक से कार्य नहीं कर पाता। प्राणायाम तथा योग दो ऐसी चीज़ें हैं, जो आजीवन मनुष्य को स्वस्थ बनाए रख सकती हैं। तुम्हें इस ओर तुरंत ध्यान देना चाहिए। प्रातःकाल उठकर प्राणायाम तथा योग करने से दिनभर चुस्ती तथा स्फूर्ति बनी रहती है। इसके अलावा प्राणायाम से बुद्‌धि भी प्रखर होती है।

मुझे आशा है कि तुम मेरे सुझावों को अमल में लाओगे। शेष सब कुशल है। पत्र का उत्तर यथाशीघ्र देना।

तुम्हारा अग्रज

क०ख०ग०

अथवा

डेंगू के बढ़ते प्रकोप की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र–

अ०ब०स० नगर

नई दिल्ली

स्वास्थ्य अधिकारी

दक्षिणी दिल्ली

विषय : डेंगू के बढ़ते प्रकोप की ओर ध्यान आकृष्ट करने के संबंध में।

महाशय

अपने क्षेत्र में डेंगू के बढ़ते प्रकोप को लेकर अ०ब०स० नगर के लोगों ने कई बार स्थानीय स्वास्थ्य निरीक्षक से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन ये सज्जन तो अपने कार्यालय में दिखाई ही नहीं देते हैं। अतः विवश होकर मैं सभी अ०ब०स० नगरवासियों की ओर से पत्र लिख रहा हूँ।

आपसे अनुरोध है कि इस मामले की गंभीरता को समझते हुए क्षेत्र में साफ़–सफ़ाई तथा फॉगिंग आदि की समुचित व्यवस्था करें, ताकि डेंगू के मच्छरों से निजात मिल सके।

सभी अ०ब०स० नगरवासी आपके अत्यंत आभारी रहेंगे।

सधन्यवाद!

भवदीय

क०ख०ग०

दिनांक : 20 अप्रैल, 20XX

8. **विद्यार्थी स्वयं करें।**

9. **जम्मू-कश्मीर में सीमा पर तैनात एक भारतीय सैनिक और एक छात्र के बीच हुआ संवाद–**

सैनिक – बच्चे, इस मिसाइल और तोप को देखो, जिससे दुश्मन थर्राता है।

बलवंत – इसका नाम क्या है?

सैनिक – यह ब्रह्मोस मिसाइल है। इस तोप का नाम बोफोर्स है, जिसने 1999 में कारगिल की लड़ाई में भारत को विजय दिलाई थी।

बलवंत – श्रीमान, आप किस सेना से हैं और कहाँ तैनात हैं?

सैनिक – मैं थल सेना से हूँ और फिलहाल जम्मू-कश्मीर के पुंछ सेक्टर में तैनात हूँ।

बलवंत – आपके काम की प्रकृति क्या है?

सैनिक – हमें भारतीय सीमा की निरंतर सुरक्षा करनी पड़ती है। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर में अभी 'ऑपरेशन ऑल आउट' चलाया जा रहा है। इस ऑपरेशन के अंतर्गत हम भारत के अंदर घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों को ढूँढ़कर मार गिराते हैं।

बलवंत – जानकारी के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद! आप हैं तभी हम चैन से सो पाते हैं।

अथवा

10. **विद्यार्थी स्वयं करें।**